

भारत सरकार  
परमाणु ऊर्जा विभाग  
राज्य सभा  
अतारांकित प्रश्न संख्या 1762  
जिसका उत्तर दिनांक 17.03.2022 को दिया जाना है

**परमाणु ऊर्जा क्षमता की विस्तार योजना**

1762 श्री हरनाथ सिंह यादव :

श्री पि. भट्टाचार्य :

क्या **प्रधानमंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) वर्तमान वर्ष सहित गत तीन वर्षों के दौरान परमाणु ऊर्जा उत्पादन क्षमता में हुई वृद्धि का ब्यौरा क्या है;
- (ख) उक्त समयावधि के दौरान परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के रख-रखाव और उनके स्तरोन्नयन पर कितनी धनराशि खर्च की गयी है तथा प्रति यूनिट विद्युत उत्पादन लागत क्या है;
- (ग) वर्तमान वर्ष में परमाणु ऊर्जा उत्पादन के संदर्भ में क्या लक्ष्य निर्धारित किया गया है तथा इसमें अब तक कितनी प्रगति हुई है; और
- (घ) क्या सरकार ऊर्जा की बढ़ती आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए मौजूदा संयंत्रों और नए संयंत्रों की क्षमता का विस्तार करने की योजना बना रही है और, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह) :

- (क) चालू वर्ष सहित पिछले तीन वर्षों के दौरान, नाभिकीय विद्युत क्षमता में कोई वृद्धि नहीं हुई है । तथापि, इस अवधि में काकरापार परमाणु विद्युत परियोजना - 3 व 4 (केएपीपी - 3 व 4) की यूनिट-3, अपने प्रकार का प्रथम स्वदेशी 700 मेगावाट दाबित भारी पानी रिएक्टर (पीएचडब्ल्यूआर), को ग्रिड से जोड़ा गया ।
- (ख) पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान प्रचालित बिजलीघरों पर वहन किया गया पूंजीगत व्यय और न्यूक्लियर पावर कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) के औसत प्रशुल्क का विवरण निम्नानुसार है :

| वर्ष  | 2018-19 | 2019-20 | 2020-21 | 2021-22<br>(फरवरी 2022 तक)<br><i>(अनंतिम)</i> |
|---|---------|---------|---------|---|
| पूँजीगत व्यय (रू. करोड़ में)                    | 741.03  | 688.25  | 439.81  | 382.81  |
| नाभिकीय बिजली का औसत प्रशुल्क (रू. प्रति यूनिट) | 3.40    | 3.38    | 3.42    | 3.57  |

- (ग) वर्ष 2021-22 के लिए नाभिकीय ऊर्जा का विद्युत उत्पादन लक्ष्य 45,662 मिलियन यूनिट है । अब तक (फरवरी 2022 तक) प्राप्त वास्तविक उत्पादन 42,705 मिलियन यूनिट है ।
- (घ) मौजूदा स्थलों पर जहां भी संभावित और हरित क्षेत्र स्थल हैं, अतिरिक्त नाभिकीय ऊर्जा रिपक्टर स्थापित कर नाभिकीय विद्युत क्षमता विस्तार करने की योजना बनाई गई है । 6780 मेगावाट की वर्तमान नाभिकीय विद्युत क्षमता, के निर्माणाधीन और मंजूरी-प्राप्त परियोजनाओं के पूरा होने पर वर्ष 2031 तक क्रमिक रूप से 22480 मेगावाट तक बढ़ाए जाने की योजना है ।

\* \* \* \* \*